RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : शुक्रवार 22 सितंबर 2023 वर्ष 05 अंक 149 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

जब तक कोई निर्णय नहीं हो जाता, तब तक...,

धनगर आरक्षण को लेकर उट शिंदे का बड़ा बयान

मुंबई : महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण के बाद धनगर समुदाय को आरक्षण दिए जाने की मांग उठी है। इसे लेकर प्रदेश का सियासी माहौल गरमाया हुआ है। धनगर समाज को एसटी प्रमाणपत्र दिए जाने की मांग को लेकर राज्य में कई जगह प्रदर्शन किए जा रहे है। इस मामले को लेकर गुरूवार (21 सितंबर) को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में सह्याद्री गेस्ट हाउस में बैठक हुई। बैठक के बाद मुख्यमंत्री शिंदे ने मीडिया से बातचीत की।

मीडिया से बातचीत करते हुए महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा कि आज धनगर समुदाय के लिए आरक्षण को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में दोनों उपमुख्यमंत्री और धनगर समुदाय के नेता मौजूद थे। मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा, इस बैठक में यह निर्णय लिया गया है कि जब तक आरक्षण को लेकर कोई फैसला नहीं लिया जाता, तब तक आदिवासी समुदाय को मिलने वाले सभी लाभ धनगर समुदाय को भी दिए जाएंगे। सीएम ने कहा कि धनगर समाज के प्रतिनिधिमण्डल के माध्यम से कुछ मुद्दे प्रकाश में आये। बिहार, झारखंड और तेलंगाना राज्यों में आरक्षण को लेकर कैसे फैसला लिया गया? उनकी क्या प्रक्रिया थी? प्रतिनिधिमंडल ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हम प्रक्रिया का अध्ययन करने के लिए उन राज्यों में धनगर समुदाय के सदस्यों सहित एक प्रतिनिधिमंडल भेजने की योजना बना रहे हैं। जिसके बाद समिति की रिपोर्ट अटॉर्नी जनरल को भेजी जाएगी और हम उनका मार्गदर्शन लेंगे। यदि इस प्रक्रिया में कोई समस्या है, तो सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय न्यायाधीश के नेतृत्व में एक समिति नियुक्त की जाएगी।

ठाणे में मूर्ति विसर्जन के दौरान 2 लोग डूबे, अन्य 1 शख्स लापता...

पालघर : महाराष्ट्र के ठाणे जिले के वाडा तालुका में गणेश मूर्तियों के विसर्जन के दौरान दो घटनाओं में दो लोग डूब गए और एक अन्य लापता हो गया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, जगत नारायण मौर्य (38) और सूरज प्रजापति (25) बुधवार रात कोनसाई गांव में एक झील में मूर्ति विसर्जन के दौरान डूब गए। पुलिस नियंत्रण कक्ष के एक अधिकारी ने कहा कि दमकल कर्मियों और गोताखोरों ने बृहस्पतिवार सुबह उनके शव बरामद किए। पुलिस ने कहा कि तालुका के गोरहे गांव में, प्रकाश ठाकरे (35) नामक व्यक्ति बुधवार को एक झील में गणपति की मूर्तियों के विसर्जन के दौरान लापता हो गया और उसकी तलाश की जा रही है। गौरतलब हो की महाराष्ट्र के वाशिम तालुका से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। दरअसल यहां के वारा जाहगीर की मौजूदा सरपंच सुगंधाबाई पूंजाजी कांबले (62) का शव उनके ही खेत के कुएं में मिला है। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है।

दो हादसों से दहली दक्षिण मुबंई... पुरानी इमारतें बनी जानलेवा, लोगों में दहशत

मुंबई : दक्षिण मुंबई की पुरानी और जर्जर इमारतें जानलेवा बनती जा रही हैं। बीते दो दिनों में छज्जा गिरने के दो हादसों ने स्थानीय लोगों को दहशत में ला दिया है। इधर बीएमसी प्रशासन ने अपने हाथ खड़े कर लिए हैं। बीएमसी अधिकारियों के अनुसार प्रशासन पहले ही सूचित कर चुका है कि खतरनाक इमारतों को छोड़कर लोग सुरक्षित स्थानों पर चले जाएं और उनके रहने की वैकल्पिक व्यवस्था की गई है। पुरानी और जर्जर इमारतों में रहने वालों को समय रहते नोटिस दी जा चुकी है। जवेरी बाजार के मोहम्मद स्ट्रीट स्थित गाडा हाउस के पास एक छह मंजिला बिल्डिंग की चौथी मंजिल के एक घर का स्लैब गिरने से दो लोगों के घायल होने का हादसा ताजा ही था कि मंगलवार को फिर एक हादसा हो गया। गिरगांव के अलंकार सिनेमा के पास म्हाडा की

दूसरी और तीसरी मंजिल का छज्जा गिर गया। इसके साथ इमारत का एक हिस्सा ढह गया। इस घटना से इलाके में दहशत मच गई।

सूचना मिलने के बाद घटनास्थल पर पहुंचे अग्निशमन दल के जवानों ने कड़ी मशक्कत के बाद बिल्डिंग में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। इस हादसे में कोई घायल नहीं हुआ। लेकिन दक्षिण मुंबई की पुरानी और जर्जर इमारतों के मसले ने फिर तूल पकड़ लिया है। दक्षिण मुंबई की पुरानी इमारतों का मसला लंबे अरसे से उलझा हुआ है। आरोप है कि इमारतों का हिस्सा गिरने की अधिकांश घटनाएं संडास-बाथरूम के जीर्ण होने के कारण हो रही हैं। इसमें प्रमुख मसला यह है कि मालिक और किराएदारों के बीच मामला उलझा हुआ है, पुरानी इमारतों में रह रहे लोगों को डर है कि यदि उन्होंने घर छोड़ दिया तो उस पर मालिक कब्जा कर लेंगे, लिहाजा आशियाना छोड़ने की बजाए वे जिंदगी दांव पर लगाकर घरों में रहने के लिए मजबूर हैं।

चॉकलेट का लालच देकर भिवंडी में 6 वर्षीय बच्ची से बलात्कार,

हत्या का आरोपी बिहार से किया गया गिरफ्तार

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे जिले के भिवंडी शहर में पिछले सप्ताह छह वर्षीय लड़की से कथित तौर पर बलात्कार और उसकी हत्या कर फरार हुए 32 वर्षीय मजदूर को बिहार के मधुबनी से पकड़ा गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त नवनाथ धवले ने कहा कि कामतघर इलाके की रहने वाली

लड़की 13 सितंबर को अपने घर से लापता हो गई थी और उसका शव अगले दिन सलामत अली आलम अंसारी के किराए के कमरे में एक बाल्टी में मिला था। धवले ने कहा कि अंसारी फरार हो गया था। लड़की की पहचान उसके कपड़े और सैंडल से की गई और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में पुष्टि हुई कि उससे बलात्कार किया गया था। पुलिस ने बताया कि इसके बाद विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। धवले ने कहा कि पुलिस ने जांच के लिए तीन टीम गठित कीं। इस बीच, पुलिस को सूचना मिली कि व्यक्ति बिहार के मधुबनी भाग गया है, जिसके बाद बिहार पुलिस की मदद से आरोपी अंसारी को पकड़ लिया गया। पुलिस अधिकारी ने कहा कि अंसारी हाल ही में भिवंडी आया था और कमरे में अकेला रहता था। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि लड़की को अंसारी ने चॉकलेट का लालच दिया था। अंसारी को मंगलवार को भिवंडी लाया गया है और उससे पूछताछ के दौरान अन्य जानकारी हासिल होंगी।

पत्थर से कुचलकर बुजुर्ग डॉक्टर की हत्या करने के आरोप में ऑटोरिक्शा चालक गिरफ्तार

ठाणे : मुंब्रा के एक 62 वर्षीय डॉक्टर का सिर पत्थर से कुचलकर उनकी हत्या करने के आरोप में पुलिस ने एक ऑटोरिक्शा चालक को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बुधवार बताया कि हत्या सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात को हुई। डॉक्टर की पहचान सिराज अहमद

मंजूर खान के रूप में हुई है। शिल डायघर पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि खान का शव मंगलवार सुबह फड़केपाड़ा में मिला, उनका सिर और चेहरा कुचला हुआ था। शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया गया और जांच शुरू कर दी गई है। जांच के दौरान, पुलिस को पता चला कि चिकित्सक का ऑटोरिक्शा चालक वसीम सत्तार मेमन (44) के साथ कुछ वित्तीय मुद्दे को लेकर झगड़ा चल रहा था।

संपादकीय / लेख

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

रिश्ते और बिगड़ेंगे...

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के वहां की संसद में दिए गए ताजा बयान दोनों देशों के पहले से बिगड़ते रिश्तों को और बदतर ही बनाएंगे। उनका यह आरोप लगाना सचमुच अजीब है कि जून महीने में ब्रिटिश कोलंबिया में हुए एक खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत सरकार का हाथ होने के ह्यविश्वसनीय आरोपह्ल हैं। खुद ट्रूडो के बयान के मुताबिक वहां की एजेंसियां अभी इस मामले की जांच ही कर रही हैं। जब जांच किसी नतीजे तक नहीं पहुंची है तो फिर उस आधार पर कोई नतीजा भी नहीं निकाला जा सकता। शायद इसीलिए ट्रूडो ने आरोपों को ही विश्वसनीय बता दिया। ये आरोप कनाडा के खालिस्तानी तत्व शुरू से लगा रहे हैं, लेकिन कोई सबूत नहीं दे पा रहे। बावजूद इसके, खुद कनाडाई प्रधानमंत्री ने इस हत्या के सिलसिले में भारत का नाम ले लिया। भारएत ने ठीक ही इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। लेकिन ट्रूडो ने कोई पहली बार इस तरह का गैरजिम्मेदार रवैया नहीं दिखाया है। पिछले दिनों ऋ20 की शिखर बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के दौरान भी उनके रुख से यही संकेत मिला कि वह कनाडा में खालिस्तान समर्थक तत्वों की हरकतों को गंभीरता से नहीं लेते। उन्होंने जहां खालिस्तानी तत्वों की गतिविधियों को अपने नागरिकों की अभिव्यक्ति की आजादी का हिस्सा करार दिया, वहीं यह भी कहा कि वे किसी देश को इस मामले में दखलंदाजी नहीं करने देंगे।

साफ है कि भारत की संप्रभुता और इसकी एकता-अखंडता जैसे महत्वपूर्ण मसले का वह अन्य मुद्दों से घालमेल कर रहे हैं। इससे पहले 2020 में भारत में हो रहे किसानों के विरोध प्रदर्शन के दौरान भी उन्होंने बेवजह ही किसान आंदोलन का समर्थन कर भारत के आंतरिक मामलों में दखल देने का प्रयास किया था। उससे भी पहले 2018 में जब वह भारत दौरे पर आए थे तो मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में उनकी पूर्व पत्नी की एक खालिस्तानी नेता जसपाल सिंह अटवाल के साथ तस्वीर को लेकर विवाद हो गया था। पंजाब के एक पूर्व कैबिनेट मंत्री की 1986 में वेंकुवर में हुई हत्या के मामले में 20 साल जेल में बिता चुके अटवाल का नाम कनाडियाई हाईकमिशन की ओर से आयोजित डिनर की गेस्ट लिस्ट में भी शामिल था, जिसे विवाद के बाद हटाया गया। हालांकि कुछ जानकार ट्रूडो के इस रवैये के पीछे उनकी चुनावी राजनीति की मजबूरियां गिनाते हैं। संसद में दिए उनके ताजा बयान को भी फूड इन्फ्लेशन और हाउसिंग संकट के कारण घरेलू मोर्चे पर बढ़ती उनकी मुश्किलों से जोड़कर देखा जा रहा है। लेकिन वजह चाहे जो भी हो, उनका यह रुख दोनों देशों के रिश्तों में खटास तो बढ़ाता ही जा रहा है। दोनों देश एक-एक सीनियर डिप्लोमैट को निष्कासित करने की घोषणा तो कर ही चुके हैं, करीब एक दशक के गैप के बाद शुरू हुई मुफ्त व्यापार समझौते की वार्ता भी अटक गई है।

व्हाट्सएप पर दैनिक रोकठोक लेखनी समाचार पत्र चैनल को फॉलो करें
+91 99877 75650

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

म्हाडा फ्लैट घोटाले में क्राइम ब्रांच ने 5 गिरोह का किया भंडाफोड़!

मीरा-भयंदर: मीरा भयंदर-वसई विरार (एमबीवीवी) पुलिस से जुड़ी अपराध शाखा इकाई (जोन क) के अधिकारियों ने दावा किया है कि उन्होंने शुरू की गई आवास योजनाओं में सस्ते फ्लैट का वादा करके घर चाहने वालों को धोखा देने के कथित आरोप में गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया है। मीरा रोड में महाराष्ट्र आवास और क्षेत्र विकास प्राधिकरण (म्हाडा)। गिरोह ने हाल ही में भयंदर (पश्चिम) में ई-सेवा केंद्र चलाने वाली 48 वर्षीय महिला से दो फ्लैटों से संबंधित अग्रिम भुगतान और दस्तावेजीकरण कार्य के लिए ₹10 लाख की धोखाधड़ी की थी। गिरोह के कुछ सदस्यों ने पहचान पत्र दिखाकर खुद को म्हाडा अधिकारी के रूप में पेश किया और भोले-भाले घर चाहने वालों को मीरा रोड में स्थित फ्लैटों से संबंधित फर्जी अनंतिम आवंटन पत्र और फर्जी भुगतान रसीदें बांट दीं।

गिरोह की अवैध गतिविधियों के बारे में भनक लगने के बाद, पुलिस निरीक्षक-अविराज कुरहाड़े और एपीआई प्रशांत गांगुर्डे के नेतृत्व में अपराध शाखा की टीम ने जांच शुरू की और सभी पांच आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ लिया, जब वे भयंदर के पास राय गांव में शिकायतकर्ता के घर पहुंचे। बुधवार को शिकायतकर्ता की ओर से एक और फ्लैट के दस्तावेजीकरण की सुविधा के बहाने अधिक पैसे ऐंठने के लिए। जिन आरोपियों की पहचान की गई है - जावेद अलीशाह पटेल, मोइनुद्दीन सलीमुद्दीन खान, अफसर इशाद शेख, सुजीत दत्तराम चौहान और राजेंद्रप्रसाद राजकरण यादव के पास आवेदन पत्र, शपथ पत्र, लैपटॉप और एक बायोमेट्रिक डिवाइस पाया गया।

ऐसे और भी अपराधों में उनकी संलिप्तता से इनकार नहीं करते हुए, पुलिस ने गिरोह के सदस्यों पर धारा 120 (बी) (आपराधिक साजिश), 170 (लोक सेवक का रूप धारण करना), 420 (धोखाधड़ी), 465 (जालसाजी), 467 (जालसाजी) के तहत मामला दर्ज किया है। मूल्यवान सुरक्षा का) और आईपीसी की धारा 471 (फर्जी दस्तावेज को असली के रूप में उपयोग करना)। पुलिस ने गिरोह या किसी अन्य धोखेबाज द्वारा ठगे गए अन्य पीड़ितों से अपील की है कि वे आगे आएं और भयंदर पुलिस स्टेशन में अपनी शिकायत दर्ज कराएं या अधिकारियों से 022-28192257 या 08657936951 पर संपर्क करें। इस बीच सभी आरोपियों को पेशी के बाद हिरासत में भेज दिया गया। गुरुवार को जिला सत्र न्यायालय, ठाणे।

नाबालिग लड़की का अपहरण कर चलती टैक्सी में बलात्कार

मुंबई : पिछले कुछ दिनों में मुंबई में महिलाओं के साथ होने वाली हिंसा की घटनाओं में बड़ा इजाफा हुआ है। इस बीच एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। दादर से एक १४ वर्षीय नाबालिग लड़की का अपहरण कर चलती टैक्सी में बलात्कार कर मालवणी में उसे छोड़ दिया गया। इस मामले में पुलिस अपहरण और पोक्सो का मामला दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जाता है कि दादर की रहने वाली पीड़ित लड़की मंगलवार को अचानक गायब हो गई थी। जिसके बाद घर वालों ने इसकी सूचना दादर पुलिस को दी। जांच में पीड़ित लड़की मालवणी में बरामद हुई। इसके साथ ही लड़की की मेडिकल जांच किए जाने पर दुष्कर्म किए जाने की प्राथमिक जानकारी मिली, जिसके आधार पर पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया।

मुंबई में ८ महीनों में महिला उत्पीड़न से जुड़ी १,२५४ घटनाएं सामने आई हैं। यह अन्य शहरों की तुलना में चार गुना ज्यादा है। मुंबई के बाद दूसरे नंबर पर पुणे शहर है। पिछले ८ महीनों में पुणे में छेड़छाड़ और अभद्र व्यवहार की ३६४ घटनाएं हुई हैं। इसमें १२४ मामले दुष्कर्म के दर्ज किए गए हैं। महिला उत्पीड़न की घटनाओं में नागपुर तीसरे स्थान पर है और पिछले ८ महीनों में नागपुर में महिलाओं से छेड़छाड़ की ३०४ घटनाएं हुई हैं। सत्ता में आने के बाद शिंदे-फडणवीस सरकार ने राज्य में महिला सुरक्षा को प्राथमिकता देने का दावा किया था, लेकिन यह दावा झूठा नजर आ रहा है। साल २०२० में लगभग २३,७०० से ३०ङ बढ़कर २०२१ में ३०,८०० से अधिक हो गई। पिछले साल की प्रवृत्ति को ध्यान में रखते हुए शिकायतों की संख्या अधिक रही और ३०,९०० अंक को पार करने के लिए वृद्धि भी हुई। पिछले साल भी अधिकतम शिकायतें तीन श्रेणियों में आईं। सिक्योर द राइट टू लिव विद डिग्निटी के लिए (३१प्रतिशत), घरेलू हिंसा से महिलाओं की सुरक्षा (२३प्रतिशत) और दहेज (१५प्रतिशत) सहित विवाहित महिलाओं के उत्पीड़न के मामले। राज्यवार ब्रेक-अप से पता चलता है कि कुल शिकायतों में से ५५ प्रतिशत यूपी से थीं, इसके बाद दिल्ली (१०प्रतिशत) और महाराष्ट्र (५ प्रतिशत) थीं।

धामनकर नाका मित्र मंडल का गणेशोत्सव में रक्तदान शिविर संपन्न

मुस्तकीम खान

भिवंडी : धामनकर नाका मित्र मंडल और स्वाभिमान सेवा संस्थान द्वारा सार्वजनिक गणेशोत्सव के दौरान आयोजित रक्तदान शिविर में बड़ी संख्या में प्रतिभागियों और गणेश भक्तों की सहज प्रतिक्रिया के साथ संपन्न हुआ। इस रक्तदान शिविर का उद्घाटन विधायक संजय केलकर ने किया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष संतोष शेट्टी, वामनराव ओके ब्लड बैंक के निदेशक और भिवंडी मनपा मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सैयद बुशरा उपस्थित थी। रक्तदान एक महान कार्य है और रक्तदान से कई लोगों की जान बचाना संभव होता है, इसलिए सार्वजनिक गणेशोत्सव के दौरान रक्तदान शिविर का आयोजन धामनकर नाका मित्र मंडल का सराहनीय कार्य है, संजय केलकर ने अपनी भावना व्यक्त करते हुए आगे कहा कि संतोष शेट्टी गणेशोत्सव के दौरान कई सामाजिक कार्य के साथ सामाजिक चेतना विकसित करते हुए नेत्रदान, रक्तदान शिविरों का आयोजन करके लोकमान्य तिलक के संकल्प को पूरा कर सही अर्थ में जश्न मना रहे हैं। संजय केलकर ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि भिवंडी शहर में भव्य दिव्य मंदिरों का निर्माण करके शहरवासियों को संस्था के अध्यक्ष संतोष शेट्टी सच्ची खुशी दे रहें है। इस शिविर में दोपहर दो बजे तक 130 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। रक्तदान करने वाले रक्तदाताओं को गणमान्य व्यक्तियों के शुभ हाथों से सम्मानित किया गया। रक्तदान शिविर को सफल बनाने के लिए महासचिव मोहन बल्लेवर, उपाध्यक्ष विजय गुज्जा, राजेश शेट्टी, तारू जाधव, राकेश पटवारी ने कड़ी मेहनत की जबकि गणेशोत्सव का शुभारंभ ठाणे जिला के वरिष्ठ नेता आर सी पाटील के शुभ हाथों नारियल फोड़ कर किया गया। इस अवसर पर विधायक महेश चौघुले, पुलिस उपायुक्त नवनाथ ढवळे, भाजपा शहराध्यक्ष अँड हर्षल पाटील, भोईवाडा पुलीस स्टेशन के वरिष्ठ पोलीस निरीक्षक अंकुश बांगर प्रमुख तौर पर उपस्थित थे। खड़वली पड़घा स्थित मातोश्री वृद्धाश्रम के बुजुर्गों को उपहार देकर गणेश दर्शन की शुरूआत की गई। संस्था की ओर से वृद्धाश्रम को दवाइयां और महिलाओं को साड़ियां दी गईं। गणेश सजावट करने वाले कार्यकताओं को गणमान्य व्यक्तियों के शुभ हाथों सम्मान दिया गया। सभी गणमान्य व्यक्तियों ने धामनकर नाका द्वारा मनाए गए गणेशोत्सव और राष्ट्रीय एकता, सांप्रदायिक सद्भाव और सामाजिक प्रतिबद्धता को बढ़ावा देने के लिए मंडल की विभिन्न गतिविधियों की सराहना की।

16 विधायकों की अयोग्यता पर फैसले से पहले राहुल नार्वेकर दिल्ली रवाना

मुंबई: पिछले कुछ दिनों से पूरे राजनीतिक हलके का ध्यान अपनी ओर खींच रहे शिवसेना के 16 विधायकों की अयोग्यता पर जल्द ही अंतिम नतीजा आने के संकेत मिल रहे हैं. अयोग्यता के फैसले को लेकर विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर की ओर से की गई देरी पर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताई थी. इन सबकी रिपोर्ट पेश करने का आदेश देकर सुप्रीम कोर्ट ने एक तरह से परोक्ष रूप से विधानसभा अध्यक्ष को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे समेत 16 विधायकों की अयोग्यता पर फैसला लेने का निर्देश दिया था. इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने स्टैंड लिया था कि मैं किसी भी हालत में जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं लूंगा. हालांकि राहुल नार्वेकर गुरुवार को अचानक दिल्ली के लिए रवाना हो गए. इससे राजनीतिक गलियारों में चर्चा छिड़ गई है.

दिल्ली में किससे मिलेंगे राहुल नार्वेकर? क्या राहुल नार्वेकर दिल्ली में बीजेपी नेताओं के साथ 16 शिवसेना विधायकों की अयोग्यता पर चर्चा करेंगे? इस चर्चा के बाद राजनीतिक गलियारों में उत्सुकता है कि बीजेपी नेता राहुल नार्वेकर को क्या निर्देश दिए जाएंगे. 16 विधायकों की अयोग्यता पर अंतिम फैसले के लिए राहुल नार्वेकर का दिल्ली दौरा अहम माना जा रहा है. अगर विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर दल-बदल कानून के तहत शिवसेना के 16 विधायकों को अयोग्य करार देते हैं तो कई लोगों की नजर इस पर है कि क्या एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री पद से हटना पड़ेगा. इसलिए राहुल नार्वेकर का दिल्ली दौरा काफी अहम माना जा रहा है.

इस बीच राहुल नार्वेकर ने दिल्लीवारी को लेकर इन सभी संभावनाओं को खारिज कर दिया है. मेरी दिल्ली यात्रा पूर्व नियोजित थी। इसलिए मैं आज दिल्ली जा रहा हूं.॥ 16 विधायकों की अयोग्यता के संबंध में होने वाली अन्य बातों पर आपको ध्यान नहीं देना चाहिए. तुम बस मेरे निर्णय पर ध्यान दो। यह फैसला लेने में कोई देरी नहीं होगी.॥ इसी तरह निर्णय लेने में जल्दबाजी नहीं की जाएगी, ताकि कोई गलत निर्णय न लिया जाए। विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने कहा कि इस मामले में संविधान के अनुरूप निर्णय लिया जाएगा. राहुल नार्वेकर के दिल्ली दौरे पर प्रतिक्रिया देते हुए संजय शिरसाट ने कहा, ह्यहमारे वकील दिल्ली में हैं, जिन्होंने सुप्रीम कोर्ट में हमारे मामले की पैरवी की. उनसे चर्चा करना जरूरी है. साथ ही सुप्रीम कोर्ट का सटीक आदेश क्या है? ये भी समझना चाहिए. इसके लिए राहुल नार्वेकर दिल्ली गए हैं. इसमें कोई खास बात नहीं है. सुप्रीम कोर्ट ने कोई समय सीमा नहीं दी है. लेकिन कोर्ट ने कहा है कि ये कार्रवाई तेज गति से होनी चाहिए. यह नहीं कहा गया है कि इसके लिए प्रक्रिया को छोड़ कर कार्रवाई करें. इसलिए यह कार्रवाई प्रक्रिया के तहत की जानी है। संजय शिरसाट ने कहा, ''विधानसभा अध्यक्ष को इसके लिए कितना समय चाहिए, इस संबंध में दिल्ली में चर्चा की जाएगी.''

प्रेमिका की हत्या कर फरार आरोपी पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार

बिना डॉक्यूमेंट घर किराए पर देने वाले घर मालिकों पर होगी कार्रवाई- पुलिस उपायुक्त

मुस्तकीम खान

भिवंडी : भिवंडी के कोनगांव के गणेश नगर इलाके में अंबरनाथ निवासी एक महिला का गला रेत कर फरार होने वाला हत्यारे आरोपी प्रेमी को 30 घंटे के भीतर भिवंडी पुलिस ने पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस उपायुक्त कार्यालय में आयोजित पत्रकार परिषद में पुलिस उपायुक्त नवनाथ धवले ने जानकारी देते हुए बताया कि कोनगांव पुलिस स्टेशन को 18 सितंबर को सूचना मिली की गणेश नगर इलाके में दो तीन दिन से एक घर से दुर्गन्ध आ रही है जिस पर बाहर ताला लगा हुआ है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची कोनगांव पुलिस ने बंद कमरे का ताला तोड़ा तो उसमे एक महिला का शव मिला जिस का बेरहमी से गला रेत कर हत्या की गई है । पुलिस ने शव का पंचनामा कर उसे अपने कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम हेतु अस्पताल भेज दिया। इस प्रकरण में पुलिस ने आस पास के लोगों से पूछताछ कर साबिर नामक व्यक्ति के खिलाफ एफआइआर 320/2023 में भादवी कलम 302 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी इस दौरान पता चला की साबिर नामक आरोपी ठाणे जिला के अंबरनाथ का रहने वाला है पर जो हत्या के बाद से फरार हो गया। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए ठाणे आयुक्तालय के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त महेश पाटील व भिवंडी पुलिस उपायुक्त नवनाथ धवले के नेतृत्व में पूर्व विभाग सहायक पुलिस आयुक्त किशोर खैरनार और कोनगांव पुलिस स्टेशन के वरिष्ट पुलिस निरीक्षक राजेंद्र पवार के मार्गदर्शन में सहायक पुलिस निरीक्षक दीप बने समेत दो पुलिस टीमों का गठन कर मामले की जांच शुरू कर दी गई। इस बीच पुलिस को गुप्त जानकारी मिली कि आरोपी ने वारदात के बाद अपने मूल गांव सासरवाडी जिला सरापुल राज्य पश्चिम बंगाल में छुपा है । जिसके बाद पुलिस की टीम पश्चिम बंगाल के लिए रवाना हो गई क्यू कि हत्यारे का कोई सुराग न होने के कारण उसे पकड़ना पुलिस के लिए बड़ी चुनौती थी लेकिन वारदात अंजाम देते समय आरोपी का हाथ भी घायल हो गया था जिस की जानकारी पुलिस को मुखबिर द्वारा मिली थी इस लिए पुलिस ने अस्पताल के पास जाल बिछाया जहां अपने हाथ का इलाज कराने आरोपी पहुंचा पुलिस ने उसे अस्पताल से बाहर ही धरदबोचा। पुलिस के अनुसार पकड़े गए आरोपी का नाम साबिर दिलावर शेख 32 है जिसे गिरफ्तार कर पुलिस भिवंडी वापस ले आई । पुलिस की इस सफलता पर उपायुक्त नवनाथ धवले ने कोनगांव पुलिस को बधाई देते हुए घर मालिकों को हिदायत देते हुए कहा कि घर किराए पर देते समय किरायेदार का डॉक्यूमेंट जरूर लें और उसकी एक कॉपी संबधित पुलिस स्टेशन में जमा करें अन्यथा बिना डॉक्यूमेंट घर किराए पर देने वाले घर मालिकों पर कार्रवाई होगी ।

निर्माण स्थल पर करंट लगने से मजदूर की मौत, ठेकेदार पर मामला दर्ज

ठाणे : एक अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि महाराष्ट्र के ठाणे में एक दुखद घटना में, एक 30 वर्षीय व्यक्ति की एक निर्माण स्थल पर बिजली का करंट लगने से मौत हो गई। दो ठेकेदारों के खिलाफ लापरवाही का मामला दर्ज किया गया है. मृतक की पहचान पिंटू भैयालाल केवट के रूप में हुई है, जो कल्याण पूर्व में साइट पर पेंटिंग कर रहा था, जब मंगलवार सुबह बिजली के झटके से उसकी मृत्यु हो गई। डोंबिवली के मानपाड़ा पुलिस स्टेशन के संपत फडोल के अनुसार, प्रारंभिक जांच से पता चला है कि दोनों ठेकेदारों ने एहतियाती कदम नहीं उठाए थे। पुलिस ने कहा कि कर्मचारी को ऐसी दुर्घटनाओं से बचने के लिए कोई सुरक्षा गियर भी उपलब्ध नहीं कराया गया था। विद्युत ठेकेदार मोहन नायडू और पेंटिंग ठेकेदार मेहबूब अब्दुल रशीद हुसैन पर भारतीय दंड संहिता के तहत लापरवाही का मामला दर्ज किया गया।

भीमा कोरेगांव साजिश मामले में महेश राउत को जमानत

मुंबई : बॉम्बे हाई कोर्ट ने 2018 भीमा कोरेगांव-एल्गार परिषद साजिश मामले के एक आरोपी महेश राउत को जमानत दे दी है और इस पर एक सप्ताह के लिए रोक लगाने की राष्ट्रीय जांच एजेंसी की याचिका भी मंजूर कर ली है। न्यायमूर्ति एएस गडकरी और न्यायमूर्ति शर्मिला देशमुख की खंडपीठ ने गुरुवार को कहा कि आदिवासी अधिकार कार्यकर्ता राउत के खिलाफ लगाए गए गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के कई प्रावधान अनुपयुक्त थे। माओवादियों के साथ कथित संबंधों के मामले में राउत को 6 जून, 2018 को गिरफ्तार किया गया था और तब से वह जेल में है। राउत के वकील, वरिष्ठ अधिवक्ता मिहिर देसाई ने तर्क दिया कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के दावों के विपरीत, उनका मुवक्किल प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) का सदस्य नहीं है, लेकिन टीआईएसएस स्नातक है, प्रधान मंत्री की फैलोशिप का प्राप्तकर्ता है और गढ़चिरौली में आदिवासियों के लिए सरकार के साथ काम करता रहा है। एनआईए के अतिरिक्त सॉलिसिटर-जनरल देवांग व्यास और वकील संदेश पाटिल ने प्रस्तुत किया कि देश के खिलाफ युद्ध छेड़ने की एक ''बड़ी साजिश'' थी और नवंबर 2021 में निचली अदालत द्वारा उनकी जमानत को खारिज कर दिया गया था। उन्होंने दावा किया कि सबूत दिखाते हैं कि सीपीआई (माओवादी) ने राउत और अन्य सह-आरोपियों सुरेंद्र गाडलिंग और सुधीर धावले को 5 लाख रुपये दिए थे, और यह दिखाने के लिए पर्याप्त सबूत हैं कि राउत ने गढ़चिरौली में पंचायत बैठकों में भाग लिया था। उन्होंने तर्क दिया कि प्रतिबंधित संगठन ने 1 जनवरी, 2018 को पुणे के भीमा कोरेगांव में हिंसा और एक व्यक्ति की मौत की स्थिति पैदा कर दी थी, जिस पर अदालत ने कहा कि उस व्यक्ति को मारने का कोई इरादा नहीं था, लेकिन दंगों में उसकी मौत हो गई। एनआईए ने तर्क दिया कि माओवादी विचारधारा लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को 'दुश्मन' के रूप में देखती है और वे युवाओं को गुमराह करते हैं। गौरतलब है कि भीमा-कोरेगांव में दंगे तब भड़क उठे, जब पूरे महाराष्ट्र से हजारों दलित भीमा-कोरेगांव युद्ध की 200वीं वर्षगांठ मनाने के लिए एकत्र हुए।राउत इस सनसनीखेज मामले में अब तक जमानत पाने वाले छठे आरोपी बन गए हैं, और इससे पहले भारद्वाज, गोंसाल्वेस, तेलतुंबडे, फरेरा और राव को जमानत पर रिहा किया गया था।

शाहरुख खान ने बेटे अबराम के साथ लालबागचा राजा भगवान गणेश की पूजा की

सुपरस्टार शाहरुख खान ने गुरुवार को अपने छोटे बेटे अबराम के साथ मुंबई के प्रसिद्ध लालबागचा राजा में पूजा-अर्चना की।लालबागचा राजा भगवान गणेश की एक मूर्ति है जिसे गणेश चतुर्थी के त्योहार के दौरान मुंबई के लालबाग इलाके में रखा जाता है। शाहरुख अपने पुराने मशहूर पोनीटेल लुक में नजर आए और उन्होंने सफेद शर्ट पहन रखी थी, जबकि अबराम लाल कुर्ते में क्यूट लग रहे थे। सुपरस्टार की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए। लालबागचा राजा का इतिहास काफी प्रसिद्ध है क्योंकि यह लालबागचा राजा सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडल की लोकप्रिय गणेश मूर्ति है, जो उन्नीसोचोथीस में स्थापित पूजा स्थल पुतलाबाई चॉल में स्थित है। लालबागचा राजा गणपति की मूर्ति की देखभाल कांबली परिवार आठ दशकों से अधिक समय से कर रहा है। लालबागचा राजा का पहला लुक गणेश चतुर्थी उत्सव से कुछ दिन पहले शुक्रवार शाम को जारी किया गया था।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : शुक्रवार 22 सितंबर 2023

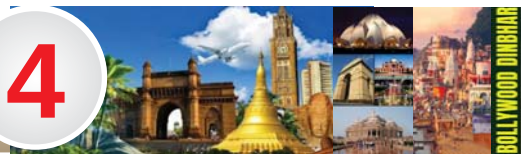

दरिंदगी के बाद बच्ची की हत्या करने वाला गिरफ्तार

भिवंडी : भिवंडी के फेनेगांव में मासूम बच्ची से साथ दरिंदगी के बाद हत्या करने वाले हत्यारे को पुलिस भेष बदलकर बिहार से पकड़कर लेकर आ गई है, जिसे अदालत ने 10 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। हत्यारे ने मासूम बच्ची के अकेलेपन का फायदा उठाकर उसे चाकलेट देने के बहाने अपने रूम में ले गया, जहां पर उसे अपनी हवस का शिकार बनाने के बाद उसकी गला घोंटकर उसकी निर्मम हत्या करने के बाद फरार हो गया था।

बिहार के मधुबनी से पकड़ा गया हत्यारा...

उन्होंने बताया कि इस घटना के बाद आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस की तीन टीम बनाकर एक टीम के चार सदस्यों को आरोपी का नाम, पता निकालकर उसे पकड़ने के लिए बिहार रवाना किया गया, जहां पहुंचकर उक्त टीम ने स्थानीय पुलिस की मदद से मधुबनी जिले के नवादा गांव से घटना के मात्र 36 घंटे में ही हत्यारे को गिरफ्तार कर लिया। डीसीपी ने बताया कि भिवंडी पुलिस बिहार पहुंचने के बाद भेष बदलकर आरोपी के गांव पहुंची और सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के बहाने पहले आरोपी की शिनाख्त किया, फिर उसे गिरफ्तार कर 19 सितंबर को रात में लेकर भिवंडी पहुंची। जिसका नाम सलामतअली आलम अंसारी (32) है, जो शादीशुदा होने के साथ खुद छह साल की बच्ची का बाप है।

भिवंडी के पुलिस उपायुक्त नवनाथ ढवले ने आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि स्थानीय फेने गांव में 15 सितंबर को दोपहर में एक बंद रूम से जोरदार दुर्गंध आने के बाद पुलिस ने ताला तोड़कर घर के एक छोटे प्लास्टिक के ड्रम में एक बच्ची का लाश बरामद किया था। यह लाश उसी छह वर्षीय मासूम बच्ची की थी, जो बगल के रूम में रहती थी और दो दिन पहले से गायब हुई थी। पुलिस ने बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए मुंबई के जेजे अस्पताल में भेजने के साथ ही रूम में रहने वाले अज्ञात आरोपी पर हत्या का केस दर्ज कर उसकी तलाश में जुट गई थी।

डेढ़ माह पहले आया था यहां रहने

गिरफ्तार हत्यारे ने पुलिस को बताया कि वह फेनेगांव में डेढ़ माह पूर्व ही रहने आया था। लूम कारखाने में बेगारी का काम करता और रूम में अकेले रहता था। उसने बताया कि 13 सितंबर को बच्ची चाकलेट के लिए पैसा मांग रही थी, जिसे चॉकलेट दिलाने के बहाने अपने रूप में ले गया, जहां पर उसने बच्ची को पहले अपने हवस का शिकार बनाया। इसी दौरान मुंह दबाने के दौरान उसकी जान चली गई, जिसके बाद उसने बच्ची के शव को प्लास्टिक के छोटे ड्रम में छिपाकर फरार हो गया था। जिसने अपना गुनाह कबूल कर लिया है। जिस पर पुलिस ने बलात्कार, हत्या व बाल लैंगिक अपराध का केस दर्ज किया है। इस घटना के बाद शहर में दहशत व आक्रोश का माहौल व्याप्त है।

कनाडा से आने वालों की एंट्री पर रोक से हजारों भारतीय परिवार परेशान

भारत और कनाडा के बीच उपजे विवाद से कनाडा में रहने वाले भारतीय परिवार परेशान हो रहे हैं. कनाडा में रहने वाले भारतीयों को डर है कि दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण रिश्ते के कारण भविष्य में विजिटर और स्टडी वीजा मिलने में देरी हो सकती है या यह भी हो सकता है कि भारतीय छात्रों के लिए वीजा की सीमा भी तय कर दी जाए. शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने कहा कि 'बहुत सारे पंजाबी कनाडा में बस गए हैं. पंजाब में दहशत का माहौल है. इसलिए भारत और कनाडा की सरकारों को इस मुद्दे का समाधान ढूंढ़ना चाहिए. इसका भारत-कनाडा संबंधों पर बड़ा प्रभाव पड़ रहा है. सिखों को आतंकवाद से जोड़ा जा रहा है, एक गलत धारणा बनाई जा रही है और इसे रोकने की जरूरत है.

उन्होंने कहा कि भारत और कनाडा की सरकारों को जल्द कोई समाधान निकालना चाहिए. दोनों देशों के बीच संबंधों को ठीक करने की जरूरत है. इसका खामियाजा देश की जनता को नहीं भुगतना चाहिए. मैं पीएम को पत्र इसलिए लिख रहा हूं, इस मसले को जल्द निपटाने की जरूरत है. अगर यह हाथ से बाहर गया तो इसका असर बहुत सारे भारतीयों, खासकर सिखों और पंजाब के लोगों पर पड़ेगा.' बता दें कि बड़ी संख्या में भारतीय छात्र कनाडा के शैक्षणिक संस्थानों में पढ़ते हैं और ट्यूशन फीस के रूप में अरबों डॉलर देते हैं. कैनेडियन ब्यूरो ऑफ इंटरनेशनल एजुकेशन के अनुसार, भारतीय छात्रों ने साल 2021 के दौरान कनाडाई अर्थव्यवस्था में 4.9 अरब डॉलर से अधिक का योगदान दिया. भारत और कनाडा के बीच उपजे विवाद के बाद वे लोग परेशान हैं, जिनके परिवार के बच्चे या तो वहां पढ़ रहे हैं या कोई बिजनेस कर रहा है. शहर के एचके खरबंदा, मेघा भाटिया, के. सिंह और एनआरआई मिसेज जोगिंदर संधू के परिवार के लोग कनाडा में रहते हैं. यहां के एचके खरबंदा के बेटे ऋषभ कनाडा के वैंकूवर में काम करते हैं.

मजदूर की लाश मिली, बांद्रा टर्मिनस पर सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल

मुंबई : मुंबई में आने और बाहर जाने वालों की भीड़ के कारण आमतौर पर बांद्रा टर्मिनस पर ज्यादातर समय चहल-पहल रहती है। यहां आनेवाले यात्रियों की भीड़ से अपने और अपने परिवार के लिए दो वक्त की रोजी-रोटी के जुगाड़ में भी सैकड़ों लोग यहां चौबीसों घंटे मौजूद रहते हैं। पार्सल कार्यालय में ठेकेदारों के पास हमाली करनेवाले ऐसे ही सैकड़ों मजदूरों में से एक मजदूर की लाश मंगलवार को सुबह प्लेटफॉर्म नंबर १ के उत्तरी छोर पर मिली थी। मृतक की पहचान ३५ वर्षीय विक्रम सिंह के रूप में सामने आई है, जो कि मूलरूप से राजस्थान के पाली जिले का निवासी था। वह खार-पूर्व के आदर्श लेन इलाके में रहता था तथा मेहनत, मजदूरी (हमाली) करके गुजारा करता था।

बांद्रा टर्मिनस पर सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) की है और उस लिहाज से जीआरपी के लोग वहां गश्त भी करते हैं लेकिन विक्रम सिंह की लाश जहां मिली वहां से बांद्रा टर्मिनस आरपीएफ थाने की दूरी मुश्किल से ५० मीटर होगी। पार्सल कार्यालय से प्लेटफार्म पर जाने वाले गेट पर एक आरपीएफ का जवान चौबीसों घंटे तैनात रहता है। वहां से आम यात्रियों को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाती है, फिर भी विक्रम सिंह की हत्या की खबर पुलिस को सुबह में हुई। इस लिहाज से विक्रम की हत्या को बांद्रा टर्मिनस पर सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल बताया जा रहा है। ऐसा दावा किया जा रहा है कि विक्रम सिंह की हत्या आधी रात के बाद उसी के किसी साथी मजदूर ने खाने-पीने के दौरान हुए विवाद के बाद की होगी। उसकी लाश प्लेटफॉर्म के उत्तरी छोर पर खड़े ठेले पर पड़ी मिली थी। उसके बाएं कान के ठीक नीचे किसी भारी वस्तु से प्रहार किए जाने की आशंका पुलिस जता रही है। फिलहाल, बांद्रा रेलवे पुलिस और बांद्रा रेलवे क्राइम ब्रांच की टीम बांद्रा टर्मिनस पर मौजूद विक्रम के परिचित हमालों से पूछताछ करके संदिग्ध हत्यारे के बारे में जानकारी जुटाने का प्रयास कर रही है। पुलिस वारदात के बाद से बांद्रा टर्मिनस से लापता हुए एक हमाल के बारे में खास तौर पर जानकारी जुटाने की कोशिश कर रही है। संदिग्ध का पता ढूंढ़ने के लिए पुलिस उन दुकानदारों से भी जानकारी जुटा रही है, जहां से ज्यादातर हमाल मनी ट्रांसफर के जरिए गांवों में अपने परिजनों को पैसे भेजते हैं।

मामूली विवाद में गला रेतकर हत्या

पति को छोड़कर प्रेमी के साथ रहती थी महिला

भिवंडी : भिवंडी के कोनगांव में प्रेमी के बेवफाई का दिलदहला देने वाला मामला प्रकाश में आया है, जहां पर लव-इन रिलेशनशिप में रहने वाली एक 35 वर्षीय महिला का उसी के प्रेमी ने मामूली विवाद में गला रेतकर हत्या कर शव को घर में बंद कर फरार हो गया। पुलिस ने फरार प्रेमी पर हत्या का केस दर्ज कर उसकी तलाश में जुटी है। जिसे लेकर इलाके में हड़कंप मच गया है। कोनगांव पुलिस स्टेशन के पुलिस निरीक्षक (अपराध) दीप बाने ने बताया कि मृतक महिला अंबरनाथ शहर में एक कंपनी में काम करती थे। उसी दौरान उसकी पहचान शब्बीर नामक व्यक्ति से हुई थी, जिसके बाद दोनों में पहचान बढ़ी और प्यार में तब्दील हो गया। इसके बाद दोनों के बीच अनैतिक रिश्ता बन गया और दोनों

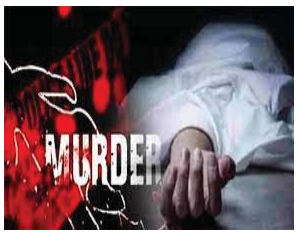

भिवंडी तालुका में कोनगांव इलाके के गणेशनगर क्षेत्र में एक रूम भाड़े पर लेकर लिव इन रिलेशनशिप में रहने लगे थे। दिलचस्प बात यह है कि मृतक महिला की सहेली भी कुछ महीनों से उसके साथ रह रही थी। उन्होंने बताया कि 15 सितंबर को किसी बात को लेकर दोनों के बीच झगड़ा हो गया, जिसके बाद आक्रोश में आकर आरोपी शब्बीर ने अपनी प्रेमिका की पहले दोनों हाथों की नसें काट दी, फिर गला रेतकर हत्या कर दी और शव को घर के किचन में छोड़कर घर का बाहर से ताला बंद कर फरार हो गया।

जिसके दो दिन के बाद यानी 18 सितंबर की शाम बंद कमरे से दुर्गंध आने लगी, जिसकी सूचना स्थानीय नागरिकों ने कोनगांव पुलिस को दी। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राजेंद्र पवार और अपराध पुलिस निरीक्षक दीप बाने पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचकर ताला तोड़कर घर में प्रवेश किया तो महिला का गला कटा शव रसोई में बरामद हुआ शव सड़ चुका था। इसलिए पोस्टमार्टम के लिए इसे जेजे अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने मौके से धारदार कटर जब्त किया। मृतक महिला के दोस्त की शिकायत पर कोनगांव पुलिस ने हत्यारे शाबिर पर आईपीसी की धारा 302 के केस दर्जकर हत्यारे की तलाश सरगर्मी से शुरू कर दिया है।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com